सत्र–2013–14 माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सामाजिक विज्ञान	3 0 6	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

पुस्तिका का सरल क्रमाक A- 651

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

अकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1	4	1	4	2	5	2	1	1

शब्दों में ... दो पाँच दो एक

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें

उदाहरणार्थ								
1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में एक

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमाक 07

ग – परीक्षा का दिनाक 26 03 14

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमाक की मुद्रा

हाई स्कूल परीक्षा केन्द्र क्रमांक–142006

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Kalpna	महिला मण्डल उ.मा. ... लश्कर, ग्वालियर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की सं... सही पाई गई होलो क्रोफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर ... अनुसार ... मुख्य पृष्ठ पर अकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।
निर्धारित मुद्रा नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं ... के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित
R. K. MANDRAH (V. Adh.) V. N. 3625	M. Choudhary Valu. No.90

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमाक के सम्मुख प्राप्ताकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमाक	पृष्ठ क्रमाक	प्राप्ताक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		

कुल प्राप्ताक शब्दो मे	कुल प्राप्तांक अंकों में
2	

खण्ड - अ
प्रश्न क्रमांक 1

उत्तर :-

(i) विश्व बैंक

(ii) बहादुर शाह जफर (द्वितीय)

(iii) महात्मा गाँधी

(iv) सामाजिक

(v) गुणवत्ता

प्रश्न क्रमांक 2

उत्तर :-

(अ) भूकंप, बाढ़

(ब) सर्वोच्च न्यायालय

(स) महापौर

(द) वयस्क साक्षरता दर तथा कुल नामांकन अनुपात

(इ) 24 दिसम्बर

3

योग + पृष्ठ = अंक

प्रश्न क्रमांक 3

उत्तर :- (अ) असत्य

(ब) असत्य

(स) सत्य

(द) सत्य

(ई) सत्य

प्रश्न क्रमांक 4

उत्तर :-

'अ'	'ब' उत्तर
1. आकाशवाणी	1957
2. स्वामी विवेकानंद	रामकृष्ण मिशन
3. चरण पादुका गोलीकांड	छतरपुर
4. परिवहन एवं संचार	तृतीयक क्षेत्र
5. सीमेंट का कारखाना	द्वितीयक क्षेत्र

4 [ ] + [ ] = [7]
योग पृष्ठ 4 के

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 5

उत्तर :-

(अ) हीरा

(ब) 1958

(स) 20 अक्टूबर, 1962

(द) 10

(इ) उपर्युक्त सभी

खण्ड - 'ब'

प्रश्न क्रमांक 6

उत्तर :- बहते हुए जल, हवा, जीव - जंतुओं तथा मानव की क्रियाओं के फलस्वरूप मिट्टी की ऊपरी उपजाऊ परत के कट जाने, बह जाने या कहीं उड़कर रूपान्तरित हो जाने को, मृदा का अपरदन कहते हैं।

प्रश्न क्रमांक 7
(अथवा)

उत्तर :- 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता निम्नलिखित है :-
(i) मंगल पांडे
(ii) बहादुर शाह जफर (द्वितीय)
(iii) नाना साहब
(iv) रानी लक्ष्मीबाई

प्रश्न क्रमांक 8
(अथवा)

उत्तर :- किसी भी देश की राष्ट्रीय आय में से उस देश की कुल जनसंख्या का भाग देने पर उस देश की प्रति व्यक्ति प्राप्त हो जाती है।

प्रतिव्यक्ति आय = $\frac{\text{राष्ट्रीय आय}}{\text{देश की कुल जनसंख्या}}$

प्रश्न क्रमांक 9
(अथवा)

उत्तर :- अधोसंरचना के प्रकार निम्नलिखित है :-

6 [ ] + [ ] = [ ]

प्रश्न क्र

(i) सामाजिक अधोसंरचना

(ii) आर्थिक अधोसंरचना

प्रश्न क्रमांक 10

उत्तर :- उपभोक्ता शोषण से आशय है कि उपभोक्ता से वस्तु की अधिक कीमत वसूलना, किसी वस्तु में सस्ती वस्तु को मिला देना, भ्रामक प्रचार आदि के द्वारा उपभोक्ता के शोषण से है।

प्रश्न क्रमांक 11

उत्तर :- स्वामित्व के आधार पर उद्योग चार प्रकार के होते हैं :-

(i) निजी उद्योग :- जो व्यक्तिगत स्वामित्व में होते हैं।

(ii) सरकारी उद्योग :- जो सरकारी स्वामित्व में होते हैं।

(iii) सहकारी उद्योग :- जो सहकारी स्वामित्व में होते हैं।

(iv) मिश्रित उद्योग :- जो उपर्युक्त

7 योग + पृष्ठ = अंक

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

में से किन्हीं दो के स्वामित्व में होते हैं।

प्रश्न क्रमांक 12.

उत्तर :- आंतरिक जल परिवहन की प्रमुख बाधाएँ निम्नलिखित हैं :-

(i) भारत की अधिकांश नदियाँ मौसमी हैं। कुछ नदियाँ तो वर्षा ग्रीष्म ऋतु में सूख ही जाती हैं तथा कुछ में जलधारा इतनी पतली और उथली है कि उनमें नाव या स्टीमर नहीं चलाये जा सकते।

(ii) वर्षा ऋतु में जल के अधिक बहाव, बाढ़ आदि अन्य कारणों से नदियों में नाव या स्टीमर नहीं चलाये जा सकते अर्थात वर्षा ऋतु में नाव्य नदियों का परिवहन के लिये उपयोग नहीं होता।

(iii) सदानीरा नदियों से सिंचाई के लिये अनेक स्थानों से जलधाराएँ निकाल दी जाती हैं जिससे कि उनके जल स्तर में कमी होने के साथ मार्ग बाधायुक्त हो जाता है। अतः जो नदियाँ पहले नौ-

8 [ ] + [ ] = [ ]
योग पृष्ठ

प्रश्न क्र

संचालन के योग्य थी वह अब उपयोगी नहीं रही।

(iv) दक्षिण भारत की अधिकांश नदियाँ पथरीले भागों से होती हुई जल प्रपात बनाते हुए गिरती है। इन जल प्रपातों की गति अत्यंत तीव्र होती है व स्वाभाविक रूप से उनमें नाव या स्टीमर नहीं चलाये जा सकते।

प्रश्न क्रमांक 13
(अथवा)

उत्तर :- प्राकृतिक आपदाएँ वे आपदाएँ वे आपदाएँ है जो प्रकृति मे विस्तृत रूप से घटित होती है तथा जिनका प्रभाव अत्यंत विनाशकारी होती है, प्राकृतिक आपदाएँ कहलाती है। जैसे :- बाढ़, भूकम्प, सूखा आदि। इन प्राकृतिक आपदाओं के लिये प्रमुख रूप से वनों का विदोहन उत्तरदायी है क्योंकि वनों के कारण ही वर्षा होती है। तथा वन ही मिट्टी के कटाव को रोकते है व वनों के विनाश से ही नदियों का भूमिगत जलस्तर का गिरना, मृदा अपरदन व वर्षा

9 [ ] + [ ] = [ ]

योग पृ. पृष्ठ

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

न होने के कारण भूमिगत जल के गिरने से सूखे जैसी प्राकृतिक आपदा का सामना करनाँ पड़ता है। अतः यह स्पष्ट है कि प्राकृतिक आपदाओं के लिये वनों का विनाश उत्तरदायी है।

प्रश्न क्रमांक 14

(अथवा)

उत्तरः- रॉलेट एक्ट के विरोध में सम्पूर्ण देश में विरोध होने लगा। पंजाब में भी इसका विरोध हुआ। 10 अप्रैल, 1919 को कॉंग्रेस के दो प्रभावशाली नेता डॉ॰ सत्यपाल और डॉ॰ सैफुद्दीन किचलू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके विरोध में 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर के जलियाँवाला बाग में एक विशाल विरोध सभा हुई। जनरल डायर नामक सैनिक अधिकारी ने सभी सैनिकों को भीड़ को चेतावनी दिए बिना गोलियाँ चलाने का आदेश दिया। सैनिकों ने भी गोलियाँ चलाई जिसके फलस्वरूप लगभग 800 लोग मारे गए व 2000 लोग घायल हो गये। जिसके कारण भारतीय लोगों में ब्रिटिश शासन के प्रति असंतोष

(10) योग + पृष्ठ 10 के अंक =

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

की भावना जाग्रत हुई।

~~प्रश्न क्रमांक 15~~

~~उत्तर :- भारत और चीन युद्ध के निम्नलिखित परिणाम सामने आये :-~~

~~(i) चीन अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना चाहता था।~~

~~(ii) चीन भारत को अपमानित करना चाहता था।~~

~~(iii) चीन की नीति विस्तारवादी थी~~

~~(iv) चीन भारत की गुटनिरपेक्षता की नीति को गलत साबित करना चाहता था।~~

~~(v)~~

प्रश्न क्रमांक 15

उत्तर :- भारत और चीन युद्ध के निम्नलिखित परिणाम सामने आए :-

(i) भारत और चीन के संबंध तनावपूर्ण हो गये।

(ii) भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि और गुटनिरपेक्ष नीति को

B S E

धक्का लगा।

(iii) भारत के भूभाग का एक बड़ा हिस्सा चीन के कब्जे मे चला गया।

(iv) चीन और पाकिस्तान के नवीन संबंध स्थापित हुए।

(v) भारत ने अमेरिका से अपनी मित्रता बढ़ाई।

प्रश्न क्रमांक 16 (अथवा)

उत्तरः- भारत के नागरिकों के सर्वांगिण विकास हेतु मौलिक अधिकारों का प्रावधान रखा गया है जो निम्नलिखित है :-

(i) समानता का अधिकार :- भारत के सभी नागरिकों को जाति, धर्म, वर्ण, लिंग की उपेक्षा करते हुए समानता का अधिकार दिया गया है।

(ii) स्वतंत्रता का अधिकार :- भारत के सभी नागरिकों को देश में कहीं भी रहने, शांतिपूर्ण सभा करने, भाषण देने आदि की स्वतंत्रता है।

(iii) शोषण के विरुद्ध अधिकार :- भारत के

मध्यप्रदेश
BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

सभी नागरिकों को शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने का अधिकार प्राप्त है।

(iv) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार :- भारत के सभी नागरिकों को अपनी इच्छाशक्ति के अनुरूप किसी भी धर्म, उपासना आदि की स्वतंत्रता है।

(v) संस्कृति व शिक्षा का अधिकार :- भारत के सभी नागरिकों को अपनी भाषा, लिपि व संस्कृति का विकास करने का अधिकार प्राप्त है।

(vi) संवैधानिक उपचारों का अधिकार :- उपरोक्त अधिकारों में से किसी भी अधिकार का खंडन होने की स्थिति मे व्यक्ति सर्वोच्च न्यायालय से न्याय की मांग कर सकता है।

प्रश्न क्रमांक 17
(अथवा)

उत्तर :- भारत के अनेक छोटे-छोटे उत्पादकों पर वैश्वीकरण का बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। ये छोटे उद्योग विदेशी उत्पादित

मान की प्रतियोगिता करने में सक्षम नहीं है। जिसके फलस्वरूप अनेक छोटे उद्योग बंद हो गये है। बैटरी, संधारित्र, डेयरी, खिलौने, टायर व खाद्य तेल तथा तिलहन आदि के उद्योगों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। यहाँ यह बात उल्लेखनीय है कि भारत में लघु व कुटीर उद्योग में कृषि के बाद सबसे अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त है अर्थात लघु व कुटीर उद्योगों में देश की अधिकांश जनसंख्या लगी हुई है।

प्रश्न क्रमांक 18
(अथवा)

उत्तर :-

(अ) हिम → ✳

(ब) वर्षा → ●

(स) ओला → △

(द) कुहरा → ≡

(इ) धुँधला प्रकाश → ⊗

14

योग + पृष्ठ 14 के अंक =

प्रश्न क्र

प्रश्न क्रमांक 20
(अथवा)

उत्तर :- 1971 में हुए भारत-पाक युद्ध में ~~पाकिस्तान~~ पाकिस्तान की पराजय के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे :-

(i) पाकिस्तान ~~का~~ सैनिक दृष्टि से दुर्बल था।

(ii) पाकिस्तान ~~का~~ नैतिक पक्ष दुर्बल था। पाकिस्तान के द्वारा पूर्वी पाकिस्तान की जनता के साथ जो भेदभावपूर्ण नीति अपनायी थी उसके कारण वहाँ की जनता ने जन-आंदोलन कर रहे थे। बंगाली अपनी स्वतंत्रता के लिये संघर्ष कर रहे थे।

(iii) पाकिस्तान की सैनिक तानाशाही लोकतांत्रिक प्रणाली की उपेक्षा कर रही थी। जो उसके लिए घातक सिद्ध हुई।

(iv) पूर्वी पाकिस्तान तथा पश्चिमी पाकिस्तान के मध्य अधिक दूरी होने के कारण पूर्वी पाकिस्तान तक सहजता से नहीं पहुँच सकते थे। जलमार्ग / समुद्री मार्ग को

योग

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH मध्यप्रदेश

भारतीय नौसेना ने घेराबंदी कर ली थी जिसके परिणाम - स्वरूप पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान की सेना की आपूर्ति बंद हो गयी थी।

(V) पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान के अत्याचारों से पीड़ित अनेक शरणार्थी भारत आए जिससे भारत को उसकी आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का अवसर मिला।

प्रश्न क्रमांक 22
(अथवा)

उत्तर :- मादक पदार्थों का शरीर पर निम्नलिखित प्रभाव पड़ता है :-

(i) शारीरिक कार्यक्षमता पर प्रभाव :- मादक पदार्थों के सेवन से मानव की शारीरिक कार्यक्षमता घट जाती है।

(ii) मानसिक कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव :- मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की मानसिक कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न क्र.

(iii) आर्थिक स्थिति पर प्रभाव :- परिवार पर होने वाला खर्च नशे की भेंट चढ़ जाता है जिससे व्यक्ति की आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है।

(iv) सामाजिक प्रतिष्ठा पर प्रभाव :- मादक पदार्थों का सेवन करने वाले व्यक्ति को समाज में अच्छी दृष्टि से नहीं देखा जाता है तथा परिवार का भी अपमान किया जाता है।

(v) दुर्घटनाएँ :- मादक पदार्थों का सेवन करने से अनेक प्रकार की दुर्घटनाएँ, चोरी, व्यभिचार जैसी घटनाएँ उत्पन्न होती है।

प्रश्न क्रमांक 24

उत्तर :- (i) रानी लक्ष्मीबाई :-

महारानी लक्ष्मीबाई झाँसी के दिवंगत राजा की पत्नी थी। अँग्रेजों ने उनसे उत्तराधिकारी को गोद लेने की

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD
पृष्ठ क्रमांक
मध्यप्रदेश

के अधिकार को छीनते हुए झाँसी का विलय ब्रिटिश साम्राज्य में कर लिया तथा रानी लक्ष्मीबाई के लिए पेंशन भी निर्धारित कर दी गयी। रानी ने इसे अपना अपमान समझा व क्रांतिकारियों तथा सैनिकों के साथ मिलकर अंग्रेजों पर आक्रमण कर दिया जिसमे वह पराजित हुई। उसके बाद वह काल्पी आई लेकिन सर ह्यूरोज से युद्ध लड़ने पर वहाँ भी पराजित हो गयी। उसके बाद वह तात्या टोपे की मदद से ग्वालियर, जहाँ के शासक अंग्रेजों के समर्थक थे, के किले पर अधिकार कर लिया परंतु, सर ह्यूरोज ने ग्वालियर के किले की चारों ओर से घेराबंदी कर ली तथा अंत में वह लड़ते-लड़ते 18 जून, 1858 को शहीद हो गयी अर्थात वीरगति को प्राप्त हुई।

(ii) तात्या टोपे :-

तात्या टोपे एक निर्भीक योद्धा थे। उनकी आरंभिक निष्ठा पेशवा परिवार के प्रति थी। वे अपनी देशभक्ति, निर्भीकता, साधन

18

प्रश्न क्र

हीनता की स्थिति में भी युद्ध जारी रखने का साहस, शत्रु को चकमा देने की कुशलता व गुरिल्ला पद्धति से युद्ध लड़ने के लिये माने जाते थे। वह नाना साहब के प्रमुख स्वामिभक्त थे। नाना साहब की ओर से सेना के नेतृत्व का संपूर्ण भार इन्हीं पर था।

तात्या टोपे ने रानी लक्ष्मीबाई की सहायता कर ग्वालियर के किले पर अधिकार किया तथा रानी की मृत्यु के पश्चात भी बुन्देलखंड व मध्यभारत में गुरिल्ला पद्धति से लड़ते हुए अंग्रेजों से कड़ी टक्कर ली। उन्हें पकड़ने के लिये ब्रिटिश सरकार ने कुटिलता व विश्वासघात की नीति का सहारा लिया। जब वह पारौन (गुना) के एक जंगल में विश्राम कर रहे थे तब उन्हें अंग्रेजों ने पकड़ लिया व अंततः उन्हें फाँसी दे दी गयी।

इस प्रकार रानी लक्ष्मीबाई व तात्या टोपे ने अपना संपूर्ण जीवन मातृभूमि की स्वतंत्रता हेतु समर्पित कर दिया।

प्रश्न क्रमांक 23
(अथवा)

उत्तर :- आधुनिक औद्योगिक युग में लोहे का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। यह "उद्योगों का आधार" कहलाता है। इसी के द्वारा ही औद्योगिक विकास हुआ है तथा इसके अभाव में किसी भी देश का विकास सम्भव नहीं है। इसकी गणना महत्वपूर्ण उद्योगों में की जाती है। यह किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ होता है। इसी के द्वारा उपयोग की जाने वाली छोटी से छोटी वस्तु से लेकर बड़ी से बड़ी वस्तुओं का निर्माण में इसका उपयोग किया जाता है।

भारत में लोहा उत्पादन क्षेत्र :-

(i) उत्तर - पूर्वी क्षेत्र :- झारखंड के सिंहभूमि में अनेक लोहे की खदानों से विभिन्न प्रकार का लोहा प्राप्त किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त भारत में बिहार व उड़ीसा में भी लोहे की खदानें है।

(ii) प्रायद्वीपीय क्षेत्र :- भारत के प्रायद्वीपीय

भागों में अनेक स्थानों पर
तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश,
झारखण्ड आदि राज्यों में
लोहे की खदानें है।

(iii) मध्य भारत क्षेत्र :-
इसमें गोवा,
मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात
आदि राज्यों के अनेक स्थानों
पर लोहे की खदानें पायी
जाती है।

हमारे देश में
अनेक स्थानों पर लोहे की
खदानें पायी जाती है। हमारे
देश में हेमेटाइट नामक उत्तम
प्रकार का लोहा मिलता है।
जिसका उपयोग अनेक क्षेत्रों
उद्योग अस्त्र - शस्त्र बनाने,
कृषि यंत्र बनाने, मशीनें,
ट्रेक्टर आदि बनाने में किया
जाता है। लोहे का
भूगर्भ से निकले हमारे जीवन में
लोहे बहुत महत्व है। यह आधुनिक
भौतिक सभ्यता की रीढ़ है।
अतः लोहे को आधारभूत
उद्योगों की श्रेणी में रखा
गया है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का दिनांक 26 | 03 | 15

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सामाजिक विज्ञान	3 0 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

प्रश्न क्रमांक 19

(अथवा)

उत्तर :- सन् 1929 में कांग्रेस के
लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस
कार्यसमिति ने सविनय अवज्ञा आंदोल
प्रारम्भ करने का निश्चय किया।
लाहौर के गवर्नर लार्ड जनरल ने
पूर्ण स्वाधीनता प्रस्ताव को मानने से
इंकार कर दिया। परन्तु गांधीजी
अभी भी समझौते की आशा
रखते थे। उन्होंने गवर्नर जन
के समक्ष 11 मांगें प्रस्तुत की
और यह भी घोषणा की
मांगें पूरी न होने की स्थिति
में सविनय अवज्ञा आंदोलन
स्वतः ही प्रारम्भ हो जायेगा।

पृष्ठ के अंकों का योग

गाँधीजी चाहते थे कि सरकार विनिमय की दर घटाए, भू - राजस्व को कम करे, पूर्ण नशाबन्दी लागू हो तथा हिंसा से दूर रहने वाले राजनीतिक बंदी छोड़े जायें, बंदूके रखने पर लाइसेंस दिया जाये, नमक पर कर समाप्त हो, कपड़ों के आयातों में कमी हो गुप्तचर विभाग पर नियंत्रण स्थापित हो, सैनिक व्यय में 50% की कमी हो आदि। लॉर्ड गवर्नर ने इन माँगों को अस्वीकार किया जिसके परिणामस्वरूप योजनानुसार सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारम्भ हो गया।

प्रश्न क्रमांक 21
(अथवा)

उत्तर :- राष्ट्रपति के संकटकालीन अधिकार निम्नलिखित है :-

(i) देश में होने वाले बाह्य आक्रमण, सशक्त विद्रोह या अन्य कारणों से राष्ट्रपति यदि संतुष्ट हो जाये कि देश का प्रशासन सही ढंग से नहीं चल पा रहा है या किसी संकट के कारण विस्फोटक

मध्यप्रदेश
BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

स्थिति उत्पन्न हो सकती है, तो राष्ट्रपति मंत्रिमण्डल की लिखित अनुशंसा पर राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर सकता है। ऐसी घोषणा होने पर सम्पूर्ण राष्ट्र के लिये विधि निर्माण करने का अधिकार संसद को प्राप्त हो जाता है। ~~तथा वे~~ राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश भी देती है। ऐसी घोषणा होने पर संसद के दोनों सदनों की स्वीकृति 15 दिन के भीतर आवश्यक होती है।

(ii) किसी राज्य के राज्यपाल की रिपोर्ट या राष्ट्रपति स्वयं किसी कारणों से संतुष्ट हो जाये कि संबंधित राज्य का प्रशासन संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार नहीं ~~चल~~ पा रहा है तो ऐसी स्थिति में राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता को उत्पन्न होने से बचाने के लिये राष्ट्रपति आपातकाल की घोषणा कर सकता है। ऐसी स्थिति में राज्य के लिए कानून बनाने का अधिकार संसद को प्राप्त हो जाता है। तथा राज्यपाल भी राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप मे कार्य करने लगता है। ऐसी घोषणा होने पर राज्य का आंशिक व पूर्ण शासन राष्ट्रपति के अधिकार

4 योग पृष्ठ

प्रश्न क्र

मे आ जाता है। तथा राज्यपाल न्यायालय की शक्तियो को त्यागकर प्रशासनिक शक्तियो का उपयोग करता है।

(iii) यदि भारत के राष्ट्रपति संतुष्ट हो जाये कि स्थिति बहुत दयनीय है तथा भारत के किसी भाग की वित्तीय स्थिति या साख को खतरा है तो ऐसी स्थिति मे राष्ट्रपति आर्थिक संकट की घोषणा कर सकता है।

B

E

Ninety Seven